हरियाणा विधान सभा

की

कार्यवाही

9 जुलाई, 1987

खण्ड 1, अंक 1

अधिकृत विवरण

विशय सूची

वीरवार, 9 जुलाई, 1987

पृश्ठ संख्या

घोशण–	
सचिव द्वारा	(1)1
सदस्यों द्वारा भापथ/प्रतिज्ञान	(1)1
आध्यक्ष का चुनाव	(1)6
बधाई भाशण	(1)6
उपाध्यक्ष का चुनाव	(1)14
बधाई भाशण	(1)15

हरियाणा विधान सभा

वीरवार, 9 जुलाई, 1987

विधान सभा की बैठक, हरियाणा विधान सभा हाल, विधान भवन, सैक्टर–1, चण्डीगढ़ में 14.00 बजे हुई। अध्यक्ष (श्री हरमोहिन्द्र सिंह चट्ठा) ने अध्यक्षता की।

घोशण–

सचिव द्वारा

सचिवः मान्यवर, मुझे सदन को सुचित करना है कि हरियाणा के राज्यपाल ने भारत के सविधान के अनुच्छेद 180(1) द्वारा उनमें निहित भाक्तियों का प्रयोग करते हुए श्री हीरा नन्द आर्य, एल0 एल0 ए0, को हरियाणा विधान सभा का कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त किया है।

मुझे सदन को यह भी सुचित करना है कि हरियाणा के राज्यपाल ने भारत के संविधान के अनुच्छेद 188 द्वारा उन्हे प्रदत्त भाक्तियों का प्रयोग करते हुए हरियाणा विधान सभा के कार्यकारी अध्यक्ष का ऐसे व्यक्ति के रूप में नियुक्त किया है जिसके समक्ष हरियाणा विधान सभा का प्रत्येक सदस्य/सदस्या, अपना स्थान ग्रहण करने से पूर्व, भापथ लेगा/लेगी/प्रतिज्ञान करेगा/करेगी।

सदस्यों द्वारा भापथ/प्रतिज्ञान

श्री कार्यकारी अध्यक्षः माननीय सदस्यगण मै आप सबको हरियाणा विधान सभा के सदस्य चुने जाने पर हार्दिक बधाई देता हूं व इस महान सदन में आप सबका स्वागत करता है।

अब माननीय सदस्यगण भापत लेंगे। पहले मुख्यमंत्री जी भापथ लेंगे फिर मत्रिगण उसके बाद महिला सदस्या तथा वाकी सदस्य डिस्ट्रिक्ट वाइज आल्फबैटिकली इन आल्फबैटिकली आर्डर भापथ लेंगे। सभी सदस्यगण क्रम ाः मंच पर आएंगे तथापि के भापथ लेने के बाद सदस्यों की नामबली में सचिव के पटल पर हस्ताक्षर करेंगे।

अब चौधरी देवी लाल जी को भापत लेने के लिएह अनुरोध करता हूं। (तालियां)

The following were then sworn in-

Chief Minister		
1.	Chaudhri Devi Lal	Meham
Minister		
2.	Shri Verender Singh	Narnaund
3.	Shri Kirpa Rani	Baroda (S.C.)
4.	Prof. Sampat Singh	Bhatta Kalan
5.	Shri Suraj Bhan	Mullana (S.C.)

Lady Members		
6.	Smt. Jasma Devi	Adampur
7.	Smt. Kamla Verma	Yamuna Nager
8.	Smt. Sushma Swaraj	Acbala Cantt
9.	Smt. Vidya Baniwal	Darba Kalan
Ambala District		
10.	Shri Bhag Mal	Sadhaura (S.C.)
11.	Shri Brij Mohan	Jagadhari
12.	Shri Harmohinder Singh	Naggal
13.	Shri Jagpal Singh	Naraingarh
14.	Shri Kant Parkash Bhalle	Kalka
15.	Shri Mohammad Aslam Khan	Chhachhrauli
16.	Shri Shiv Parshad	Ambala City
Bhiwani District		
17.	Shri Dharmvir	Tosham
18.	Shri Jagan Nath	Bawai Khera (S.C.)
19.	Shri Hukam Singh	Dadri

20.	Shri Ram Singh	Badhra
21.	Shri Vasudev	Mundhal Khurd
Faridabad District		
22.	Shri Bhagwan Sahal	Hathin
23.	Shri Kundan Lal Bhatia	Faridabad
24.	Shri Mahendra Pratap Singh	Mewla Maharajpur
25.	Shri Subhash Chand	Palwal
26.	Shri Udaai Bhan	Hassanpur (S.C.)
27	Shri Yogesh Chand Sharma	Ballabhagarh
Gurgaon District		
28.	Shri Ajmat Khan	Firozepur Jhirk
29	Shri Dharam Pal	Sohna
30.	Shri Khurashid Ahmed	Nuh
31.	Shri Shiv Lal	Pataudi (S.C)
32.	Shri Sita Ram Singla	Gurgaon
33.	Shri Tayyab Hussain	Taoru

Hissar District		
34.	Shri Atma Ram	Ghiral
35.	Shri Atma Singh	Ratia (S.C.)
36.	Shri Harpal Singh	Tohana
37.	Shri Hari Singh	Hissar
38.	Shri Pardeep Kumar Chaudhry	Hansi
39.	Shri Surender	Barwala
Jind District		
40.	Shri Banarsi	Kalayat (S.C.)
41.	Shri Des Raj	Uchana Kalan
42.	Shri Durga Datt	Rajound
43.	Shri Kulbir Singh	Julana
44.	Shri Parmanand	Jind
45.	Shri Sardul Singh	Safidon
46.	Shri Tek Chand	Narwana
15.00 बजे		
Karal Distriet		
47.	Shri Balbir Paul	Panipat

	Shah	
48.	Shri Jai Singh	Nilokheri
49.	Shri Lachman Singh	Indri
50.	Shri Manphul Singh	Assndh (S.C.)
51.	Shri Piru Ram	Gharaunda
52.	Shri Sachdev	Sambhalkha
53.	Shri Satbir	Naultha
Kurukshetra District		
54.	Shri Buta Singh	Guhla (S. C.)
55.	Shri Balbir Singh	Pehowa
56.	Shri Gurdial Singh	Thanesar
57.	Shri Harnam Singh	Shahbad
58.	Shri Makhan Singh	Pundri
59	Shri Nar Singh	Pai
60.	Shri Radaur (S.C.)	Radaur (S.C.)
61.	Shri Surender Kumar	Kaithal
Mahendergarh District		
62.	Shri Kailash Chand Sharma	Narnaul

63.	Shri Luxmi	Ateli
64.	Shri Muni Lal	Bawal (S.C.)
65.	Shri Narbir Singh	Jatusana
66.	Shri Raghu Yadav	Rewari
67.	Shri Ram Bilas	Mahendergarh
Rohtak District		
68.	Shri Dhir Pal	Badli
69.	Shri Jai Narain	Kalanaur (S.C.)
70.	Shri Mange Ram	Bahadurgarh
71.	Shri Mangal Sein	Rohtak
72.	Shri Om Parkash Bhardwaj	Hassangarh
73.	Shri Ranghuvir Singh	Beri
74.	Shri Ram Narain	Salhawas
75.	Shri Siri Krishan	Kilol
Sirsa District		
76.	Shri Bhagi Ram	Ellanabad (S.C.)
77.	Shri Hazar Chand	Sirsa
78.	Shri Mani Ram	Dabwali (S.C.)

79	Shri Ranjit Singh	Rori
Sonepat District		
80.	Shri Devi Dass	Sonepat
81.	Shri Kishan Singh	Gohana
82.	Shri Maha Singh	Rai
83.	Shri Mahendra Singh	Rohat
84.	Shri Ved Singh	Kailana
Rohtak District (Resumption)		
85.	Miss Medhavi	Jhajjar (S.C.)

श्री मंगल सैनः स्पीकर साहब, मेरी प्रार्थना है कि मैने आपकी सेवा में एक काल अटै ान मो ान का नोटिस दिया है कि सिरसा मैं जो दो बसों मे हत्या काण्ड हुआ है उसके बारे में हमारे आदरणीय मुख्यमंत्री जी प्रका ा डालें क्योंकि उस हत्या काण्ड के पीछे कोई गहरी साजि ा है।

मुख्यमंत्री (चौधरी देवी–लाल): मै इस बारे में अभी थोड़ी देर में बयान दूंगा।.

श्री कार्यकारी अध्यक्षः अब हम अगले मद, अर्थात अध्यक्ष के निर्वाचन पर आते है।

Chief Minister (Chaudhri Devi Lal): Sir, I beg to Move-

That Shri Harmoinoder Sing, a member of the Haryana Legeslativs Assembly, who is present in the House do take the Chaif as Speaker of the Assembly.

Irrigation & Power Minister (Shri Verendr Singh): Sir, I Second the proposal.

श्री कार्यकारी अध्यक्षः प्रस्ताव प्रस्तुत हुआ–

कि श्री हरमोहिन्द्र सिंह, जो हरियाणा विधान सभा के सदस्य है और जो सदन में उपस्थित है, सभा के अध्यक्ष के रूप में पीठासीन हो।

क्या कोई अन्य प्रस्ताव है?

(आवाजें : नहीं)

श्री कार्यकारी अध्यक्षः क्यौंकि सदन के समक्ष कोई दूसरा प्रस्ताव नहीं है, इसलिए मै श्री हरमोहिन्द्र सिंह को विधिवत अध्यक्ष के रूप में सर्वसम्मति से निर्वाचित घोशित करता हूं तथा उनसे प्रार्थना करता हूं कि वे अपना स्थान ग्रहण करे।(तालियां)।

(At this stage, Shri Harmohinder Singh escorted by the Chief Minister**,** Chaudhri Deve Lal and Shri Tayvab Hussain, a member of the Of the Opposition, occupied the Chair) (Thumping)

बधाई भाशण

मुख्यमंत्री (चौधरी देवी लाल): स्पीकर साहब, मै आपको इस पद पर सर्वसम्मिति से चुने जाने पर मुबारिकबाद देता हूं और यह मुबारिकबाद इसलिए भी जरूरी है कि आज पंजाब और हरियाणा में जो हालात है, उन हालात में अकलियत को यह अहसास हो कि हरियाणा भी हमारा है। आज के हालात में आप जैसे व्यक्ति का चुना जाना मै और ज्यादा जरूरी समझता था। आपका लोकदल से कोई वास्ता नहीं है और किसी दूसरी पार्टी से भी कोई वास्ता नही है। आप इन्डीपैन्डेंट तीर पर चुने कर आये है। मै समझता हूं कि आपके जितने भी फैसले होंगे वे आजादाना तौर पर होगें। अन्त में मै फिर आपको अपनी तरफ से और हाउस की तरफ से मुबारिकबाद पे ा करता हूं।

श्री मंगल सैन (रोहतक): अध्यक्ष महोदय, आपको सदन के श्रेश्टता पद पर आसीन देख कर हमें बड़ी हार्दिक प्रसन्न्ता हो रही है। इस संबंध से सदन के नेता ने जो भाब्द कहे है, मै उनका अनुमोदन करते हुए इतनी ही बात कहना चाहता हूं कि लोकतंत्र में विधान सभा के अन्दर जहा जनता के चुने हुए प्रतिनिधि आते है, उस सदन की अध्यक्षता का अध्यक्ष पर बड़ा ही दायित्वपूर्ण कार्य होता है मुझे पूरा भरोसा है कि उसको आप अच्छी तरह से बहन करेंगे। आपका और मेरा ज्यादा परिचय तो नही है लेकिन 1972 मैं जब आप भी श्री बंसी लाल जी की मंत्री परिशद में मंत्री होते थे तो हम जेल में आपका भाुभ नाम पढ़ा करते थे क्योंकि उस वक्त मै और चौधरी देवी लाल जी बंसी लाल के भााही

मेहमान होते थे। श्री बंसी लाल ने अपना स्वभवब ा राजनैतिक विरोधियों को कितना परे ाान किया, वह सब को पता है। आज तो चौधरी देवीलाल जी की आयु 76 वर्श की है लेकिन आज से 10 साल पहले ये 66 वर्श के थे लेकिन उन्होने इन्हे महेन्द्रगढ़ की सब जेल में रखा हुआ था और मै करनाल जेल में था। स्पीकर साहब, करनाल भाहर तो बहुत अच्छा है पर जेल बड़ी गन्दी है। आपको तो जेल मैं जाने का कभी काई वास्ता नही पड़ा और अब तो जेल में जाने का सवाल ही पैदा नही होता क्यौंकि आप हमारे अधिकारों के संरक्षण करने वाले हो गए हैं। यह बात चौधरी देवी लाल जी ने ठीक कही है कि हमारे पड़ौसी राज्य में असामाजिक तत्वों ने सिर उठा रखा है जिससे दे ा की एकता पर प्र न चिन्ह लग गया है। वे भाई–चारे को चोट पहुंचाने के लिए बड़े प्रयास कर रहे है। ऐसे समय में लीडर आफ दी हाउस ने आपको चुना उसके लिए वे बधाई हुकम बजा लायेगें और जो रूलिंग आप देंगे उसको सिर झुका कर कबूल करेंगें। लेकिन एक प्रार्थना करता हूं और मुझे पूरा भरोसा है कि आपके जितने भी फैसले होंगे वे सही होगे। पंजाब से ही हरियाणा निकला है। आज से पहले जितने भी यहां के स्पीकर हुए है उन सब ने लोक सभा में जो परम्परायें प्रस्थापित हुई है उन सब का निवर्हण करते हुए अच्छा काम किया है। हमें आ ाा है कि आप भी उन परम्पराओं को निभाते हुए हरियाणा विधान सभा के इस पद की और पताका लहरायेगें। इतनी बात कहते हुए मै अपनी तरफ से और अपने दल की तरफ

से आपकी पूरे सहयोग का आ वासन देते हुए अपना स्थान ग्रहण करता हूं।

श्री तैयव हुसैन (तावडू): मोहतरिम स्पीकर साहब, मै भी अपनी तरफ से और अपनी पार्टी की तरफ से जो लीडर आफ दी हाउस ने प्रस्ताव रखा है, उसकी पुरजोर ताध्द करता हूं और आपको दिली मुबारिकबाद देता हूं। यह बड़ी अच्छी बात है, जैसा लीडर आफ दी हाउस ने कहा है कि अकलियत के आदमी को इस चोहदे पर बैठाया है। उसके लिए वे मुबारिकवाद के मुस्तहक है। आप अपने तजरूये के तौर से जो पार्लियामैंट के रिवायात है उनको और आगे बढ़ायेगे। मैं अपनी तरफ से और अपनी पार्टी की तरफ से आपको तावन दिलाता हूं कि हम आपको ओबे करेंगे। यह ठीक है कि हरियाणा की जनता ने बड़ा भारी बहुमत रूंलिग पार्टी को दिया है। इन हालात मेें जो बात हमें जनता की कहनी चाहिए उसके लिए हम लोग आप पर मोहताज है। हमें अपनी बात कहने के लिए पूरा समय मिले। यह मेरी आपसे अर्ज है। डा0 मंगल सैन ने हसब आदत के मुताबिक कुछ ऐसी बातें कही है जो इस वक्त कहनी जरूरी नही थी लेकिन ये भी अपनी आदत से मजबूर है। मै इस मौके पर इनकी बातों का जबाब देना नहीं चाहता। (विघ्न)

Shri Mangal Sein: Sir, it was my fundamental right to say like that. (Interruptions)

Shri Tassyab Hussain: It may be your fundamental right a but you are habitual to say such things. (Interruptions)

Mr. Speaker: Please do not go out of the scope of the subject.

श्री तैयब हुसैनः स्पीकर साहब, मै अन्त में फिर अपनी तरफ से व अपनी पार्टी की तरफ से आपके अध्यक्ष चुने जाने पर तहेदिल से मुबारिकबाद देता हू¯।

सिचाई तथा बिजली मंत्री (श्री वीरेन्द्र सिंह): स्पीकर सर, आज अभी आपने अध्यक्ष का पद सम्भाला है और यूनानीमसली आपका चुनाव हुआ है उसके लिए मै आपको मुबारिकबाद देता हूं और सबसे बड़ी मुबारिकबाद के मुस्तहक लीडर आफ दी हाउस चोधरी देवी लाल जी है। इस बारे में एक टू डैमौक्रेटीक ट्रेडी ान जो इस कन्ट्री में स्थापित होनी चाहिए आज आपको स्थापित करने के कुछ प्रयास किए गए है। हमारे विधान सभा के जो फाउन्डर्ज थे वे यह चाहते है कि स्पीकर के पद पर निर्दलीय व्यक्ति को बैठाया जाये। उसका रूलिंग पार्टी से या अन्य किसी पार्टी से कोई ताल्लुक नहीं हो। लीडर आफ दी हाउस का यह बहुत बड़ा बडप्पन है जिन्होने एक निर्दलीय उम्मीदवार को इस पद पर इलैक्ट करवाया है। आपने एक निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में इलैक ान लड़ा और बड़े बहुमत से आप चुनाव जीत कर आये। लीडर आफ दी हाउस ने आपका नाम प्रपोज करके और इलैक्ट करवा कर ट्रू डैमोकेसी का जो ट्रेडी ान होना चाहिए उसको स्थापित किया हैै। इसके लिए वे बार बार मुबारिकाबाद के मुस्तहक है। स्पीकर साहब, इन हालात में इस

हाउस का हर मैम्बर चाहे वह कांग्रेस पार्टी से है, चाहे लोकदल से है, चाहे बी0 जे0 पी0 से है, चाहे सी0 पी0 आई0 से है, चाहे सी0 पी0 एम0 से है। आजाद उम्मीदवार है सब का आप पर पूरा भरोसा है कि आप सही काम करेंगे। आप के रहते हुए जो हाउस की कार्यवाही चलेगी वह इन्साफ पर मबनी होगी और सभी मैम्बरो को अपनी बात कहने का पूरा पूरा मौका मिलेगा ताकि सभी लोग, जो जनता ने प्रदे ा की सेवा करने के लिए भेजे है, अपनी अपनी बात यहां पर बड़े अच्छे ढंग से पे ा कर सके। यह बात कहते हुए मै आपको पुनः मुबारिकबाद देते हुए अपना स्थान ग्रहण करता हूं।

श्री खुर ीद अहमद(नूंह): जनाब स्पीकर साहब, आज आपके इस इलैक ान पर मै आपको दिल से मुबारिकबाद देता हूं और सब से ज्यादा लीडर आफ दि हाउस को मुबारिकबाद देता हूं जिन्होने आज के हालात को मदे–नजर रखते हुए और अकलियतों की इज्जत अफजायी के लिए इतना अच्छा मौका हमारे साथी को दिया है। यह मौका भी साथी को दिया है जिनको तजरूबा है और अकलियतों की जिम्मेदारी निभाने की काबलियत है। मै समझता हूं आपके चुने जाने जानेक पर मुझे ही नही बल्कि हाउस के हर मैम्बर को और जो लोग बाहर बैठे हुए है, उनको यह पता चलेगा तो बहुत ही ज्यादा खु ी होगी क्योंकि लीडर आफ दी हाउस ने अकलियतों के जजबात को अच्छी तरह से समझा है और बड़ी अच्छी तरह से ये उनकी बातों को जानते है। आज के हालात में

यह कदम हमारे लिए बहुत बडी होसलाअफजायी का है। मै दूबारा से लीडर आफ दी हाउस को अपनी तरफ से और अपने साथियों की तरफ से भाुक्रिया अदा करता हूं कि उन्होने इतने अच्छे मौके पर एक अच्छा फैसला लेकर काबिल आदमी को इस जगह पर बैठाया है। इन भाब्दो के साथ मै आपको दुबारा से मुबारिकबाद देता हूं।

श्री जगपाल सिंह (नारायणगढ़): स्पीकर साहब, मै खासतौर से लीडर आफ दी हाउस को मुबारिकबाद देता हूं क्योंकि उन्होने अम्बाला जिले का और खासतौर पर निर्दलीय उम्मीदवार का भी ख्याल रखा है। धन्यवाद।

श्री मती सुक्मा स्वराज (अम्बाला कैन्ट): अध्यक्ष महोदय, सर्वसम्मीत से आप इस विधान सभा के गौरव ाली पद पर पदसीन हुए है। मै सदन के बाकी सदस्यों की भावनाओं में भाामिल होते हुए आपको बधाई देती हूं। यह सच बात है कि आपके इस पद पर बैठने के बाद हरियाणा के अल्पसंख्याकों में सुरक्षा के भावना को बल मिलेगा जो आज के समय की सब से बड़ी जरूरत है। हमें आ ाा है और इसमें कोई सन्देह नहीं है कि आप सदन की कार्यवाही निश्पक्षता के साथ चलायेंगे। स्पीकर साहब, मेरी आपसे एक गुजारि ा है कि हरियाणा चूंकि हिन्दी भाशी प्रदे ा है इसलिए हरियाणा विधान सभा की कार्यवाही ज्यादा से ज्यादा हिन्दी में चलनी चाहिए। ऐसी लोगों की दिली इच्छा है। अध्यक्ष महोदय, जब आपने एम0 एल0 ए0 ि ाप की

अंग्रीजी मैं भाप्थ ली तो यह आपका जाति मामला था लेकिन मुझे थोड़ी सी उस समय हैरत हुई जब अध्यक्ष पद के चुनाव का प्रस्ताव चौधरी देवी लाल ने अंग्रेजी में रखा और चौधरी वीरेन्द्र सिंह जाी ने उसका समर्थन भी अग्रेजी में किया। आपके पदासीन होने के बाद जो भी कागजात हमें सदन में मिले है वे भी अंग्रेजी में है। यहां तक कि रज्ल आफ प्रोसीजर की किताब भी अग्रेजी में है और दूसरे सारे के सारे कागजात भी अंग्रेजी में है। मेरा इससे कोई विरोध नहीं है लेकिन मैं अपनी तरफ से तथा काफी अन्य सदस्यों की तरफ से प्रार्थना कर रही हूं कि हरियाणा विधान सभा की कार्यवाही में हिन्दी को ज्यादा महत्व मिलाना चाहिए। आप इस बात को स्वीकार करेंगे ऐसीक मैं आपसे उम्मीद करती हूं और यह वि वास करते हुए आपको पुनः बधाई देती हूं।

श्री अध्यक्षः आगे से ज्यादा काम हिन्दी में होगा।

श्री राम बिलास (महेन्द्रगढ़): अध्यक्ष महोदय, आपको इस पद पर पदासीन होने के बाद अपनी भावनाओं के अनुसार ह्रदय से मुबारिकबाद देता हूं। अध्यक्ष महोदय, आज ही अखबारों में इस नही सरकार पर एक इल्जाम लगा है जिसके पीछे एक गहरी साजि ा इस दे ा में चली हैं क्योंकि एक लोकप्रिय नेता के नेतृत्व में यह सरकार बनी है। इस सरकार को बदनाम करने की साजि ा है। आज हरियाणा की सड़को पर जो खून गिरा है उसका जवाब इस सदन में आपके नाम का प्रस्ताव करके चौधरी देवी लाल जी ने दे दिया है। जिन लोगों ने आज के हालात में

हमारे नेता पर इल्जाम लगाया है उसका इससे चच्छा जवाब कोई नही हो सकता। मै इसके लिए सदन नेता को बधाई देता हूं और उम्मीद करता हूं कि कार्यवाही को चलाया था उसी प्रकार से आप भी चलायेंगे। अध्यक्ष पद की बड़ी भारी गरिमा होती है इसलिए आ ाा है कि आप बड़ी गरिमा के साथ कार्यवाही का संचालन करेंगे। इस उम्मीद के साथ आपको तथा इस सदन के नेता को फिर से मुबारिकबाद देता हूं।

श्री धीरपाल (बादली): अध्यक्ष महोदय, आपके चुने जाने पर मै आपको दिल से बधाई देता हूं और अपने सदन के नेता चोधरी देवी लाल जी को भी बधाई देता हूं क्योंकि उन्होने लोकतंत्र प्रणाली को जिस ढंग से जिन्दा रखा है वह भी दे ा में एक मिसाल है। सदन का अध्यक्ष पद बहुत ही गरिमापूर्ण है। सभी विरोधी, निर्दलीय और रूलिंग पार्टी के सदस्य आ ाा रखते है कि उन्हें सम्मान मिले और अपनी भावनाओं को कहने का मौका मिले। स्पीकर साहब, हमारे साथ में ही पंजाब प्रदे ा है जो हमारे बड़े भाई के समान है। वहां पर गन्दे इरादे रखने वाले कुछ लोगों ने अफसराफरी फैलायी हुई है जिनका प्रभाव हमारे प्रदे ा पर डालने का प्रयत्न किया जा रहा है लेकिन आपके चुने जाने से लोगों की सरकार ने इतनी बड़ी भावना द ार्यी है जिनका किसी को भी अहसास नही था। मैं यह कहूंगा कि लोकतंत्र की सही जीत हरियाणा प्रदे ा में हुई है, यह मतदाओं की जीत हैै। जिस गन्दे इरादे से हमारे नेता को बदनाम करने की साजि ा की है उसका

सबूत आपको इस पद पर पदासीन करके हमारे नेता ने दे दिया है। जो काम उन्होंने आज किया है उसके लिए मै उनका धन्यवाद करता हूं और आपसे आ ाा है कि सभी साथियों को सम्मान मिलेगा और जो भी अपकी रूलिंग होगी वह सभी को मान्य होगी। धन्यवाद।

श्री रघु यादव (रिवाड़ी): अध्यक्ष महोदय, सदन के नेता ने अध्यक्ष पद की गरिमा और आज के हालात को ध्यान में रखते हुए आपका नाम इस पद के लिये प्रस्तावित किया। आपके निर्वाचन पर सदन के नेता तथा आपको बधाई देता हूं। मुझे पूरा वि वास है कि आप सदन के सदस्यों के साथ समान व्यवहार करेंगे और सदस्य भी आपको पूरा सहयोग देंगे। मै इस मौके पर एक बात जरूर कहना चाहूंगा कि किसी भी सदन का अध्यक्ष पद दलगत राजनीति से ऊपर होता है और इसलिए इसी भावना को ध्यान में रखने हुए चौधरी देवी लाल ने आपके नाम का प्रस्ताव रखा है। हरियाणा विधान सभा में एक ऐसा अध्यक्ष भी हुआ है जिसने न केवल दलगत राजनीति में भाग लिया बल्कि जो दलबदल क दलदल में जा कूदा। प्रजातात्रिक वि व के इतिहास मे अध्यक्ष के दलदल की यह एकमात्र भार्मनाक घटना है। आपके चूने जाने पर इस सदन के सदन के सदस्यों को समान व्यवहार मिलेगा और जो बदनाम धब्बा इस पद पर उल्लेखिल अध्यक्ष के आचरण से लगा है, वह मिटेगा। हम आ ाा करते है कि आप एक नयी और अच्छी परम्परा कायम करेंगे। धन्यवाद ।

श्री रतन लाल कटारिया (रादौर–अनूसूचित जाति): मान्यवर अध्यक्ष महोदय, राश्ट्र की परिस्थितियों को देखते हुए परम आदरणीय चौधरी देवी लाल ने आपको अध्यक्ष बना कर सारे राश्ट्र की छवि को ऊंचा किया है और जो राश्ट्र विरोधी भाक्तियां भारत में उभरी है उनको कमजोर किया है। आपके चूने जाने से उन भाक्तियों के मूंह पर तमाचा लगा है। मै आ ाा करता हूं कि विधान सभा का यह एक गोरवमय युग होगा।

कुमारी मेधावी (झज्जर–अनुसूचित जाति): अध्यक्ष महोदय, मै इस चयन के लिए सदन के नेता को हार्दिक मुबारिकबाद देती हूं। यह एक ऐसा चयन है जिससे अल्पसंख्यक कौम को बेहद हौंसला मिलेगा और इस दे ा की एकता को भी भाायद खास सबलता मिलेगी। मै फिर से आपको तथा सदन के नेता को कांग्रेस (जे0) की तरफ से हार्दिक मुबारिकबाद देती हूं।

राजस्व मंत्री (श्री सूरजभान): अध्यक्ष महोदय, आपको मुबारिकबाद देता हूं लेकिन यह भी साथ ही बताना चाहूंगा कि भारत दे ा की लैजिस्लेटिव हिस्टरी में अभी तक यही होता रहा है कि रूलिंग पार्टी या ग्रुप से इस्तीफा दे देता है और यह कहता है कि मै अब किसी भी पार्टी या ग्रुप में नही हूं। मै चौधरी देवी लाल को बधाई देता हूं कि उन्होने ऐसे व्यक्ति को चुना है जिसे इस्तीफा देने की जरूरत नही है। जिस दिन स्पीकर साहब ने अपने कागजात इलैक ान के लिए दाखिल किये थे उस दिन मै भी इतफाक से इनके साथ था। कड़वी यादों का तो मैं यहां जिक्र

नही करना चाहता हूं लेकिन एक बात कहना चाहता हूं कि भगवानक की कृपादृश्टि से आप इस पद की गरिमा को बनाये रखे। हरियाणा में कुछ नई रिवायातें कायम होने जा रही है, जिनका जिक्र गवर्नर साहब अपने अभिभाशण में करैंगे। उन नई रिवायातों को भाायद हम हरियाणा से भाुरू कर पाये। अगले पांच सालों के बाद जो चुनाव हों उस समय हम कहें कि स्पीकर साहब, के खिलाफ कोई पोलिटिकल पार्टी का कैन्डीडेट खड़ा नही होगा और स्पीकर साहब, इन्डिपैन्डैन्टली अन–अपोजड आयेगा। ऐसी रिवायात हम कायम कर दे तो बहुत अच्छी बात रहेगी। बहुत बहुत धन्यवाद।

श्री कैला ा चन्द्र भार्मा (नारनौल): आदरणीय अध्यक्ष महोदय, आपके चयन पर मै आपको अपनी और से हार्दिक बधाई देता हूं। चौधरी देवी लाल ने सब से बढ़िया परम्परा कायम की है जबकि हमारे पड़ोसी राज्य में भारारती एवं राश्ट्र विरोधी तत्व भाई भाई के बीच दीवार खड़ी करना चाहते है। चौधरी देवी लाल ने इन नापाक इरादों पर करारी चोट करके हिन्दोस्तान के सामने मिसाल कायम की है उन भाक्तियों के खिलाफ जो दे ा को तोड़ने पर तुली हुई है, कमजोर करने पर तुली हुई है। हम सब एक है। इन भाब्दों के साथ मैं चौधरी देवी लाल का धन्यवाद करते हुए यह कहूंगा कि उन्होने समय की पुकार को पहचान करके अध्यक्ष का चयन किया है। मै अपनी और से फिर से उन्हे बधाई देता हूं।

श्री मनफूल सिंह (असन्ध–अनुसूचित जाति): स्पीकर साहब, मै भी आपको स्पीकर के पद पर चुने जाने के लिए हार्दिक बधाई देता हूं क्योंकि जिस प्रकार से आज तक सारे हिन्दुस्तान की इस प्रथा को कि हर जगह ही रूलिंग पार्टी के उम्मीदवार को स्पीकर बनाया जाता था, इन्होंने तोड़ा है वह बेमिसाल है। इसलिए मैं अपने सदन के नेता की एक बार फिर इसके लिये हार्दिक बधाई देता हूं। धन्यवाद

श्री भगवान सहाय (हथीन): आदरणीय अध्यक्ष महोदय, चौधरी देवी लाल जी ने निर्दलीय अल्पसंख्यक समुदाय के व्यक्ति को इन परिस्थितियों में अध्यक्ष चुनने के लिए जो प्रस्ताव रखा, जिसका सर्वसम्मति से अनूमोदन किया गया और आपका चुनाव हुआ, उसके लिए मै उनको हार्दिक बधाई देता हू और आ ाा करता हूं कि आप इस गरिमामय पद की गरिमा को और बढ़ाएंगे। मैं यह भी आ ाा करता हूं कि जिस जन भावना की भ्रुरूआत चौधरी देवी लाल के नेतृत्व में होनी चाहियं थी उसका यह प्रारम्भ होगा। इन भाब्दों के साथ मैं आपको बधाई देते हुए अपना स्थान लेता हूं। धन्यवाद ।

श्री ि ाव प्र ााद (अम्बाला भाहर): स्पीकर साहब, जहां मै आपको इस पद के प्राप्त करने पर बधाई देना चाहता हूं वहां मै चौधरी देवी लाल जी का धन्यवाद भी करना चाहता हूं कि उन्होने इस पद के लिए आपका चयन करके अम्बाला जिले का पूरा मान–समान दिया है। मुझे पूर्ण आ ाा है कि आज के

वातावरण में जो इन्होने अपनी दूरदर्शिता और योग्यता का परिचय दिया है कि आप जैसे व्यक्ति को इस स्थान पर बिठा दिया है, इससे अम्बाला जिले पर एक बहुत बड़ी जिम्मेदारी डाली है। मुझे निश्चय ही पूरी आशा है कि आने वाले समय में आप जहां इस पद की गरिमा की ध्यान में रखेंगे वहां अम्बाला जिले का भी पूरा ध्यान रखेंगे।

श्री सुभाश चन्द्र (पलवन): अध्यक्ष महोदय, ऐसे शुभ अवसर पर जब हरियाणा जनता खुशियों मना रही थी, पिछले दो–तीन दिनों में जो वारदातें हुई है, उनकी दृश्टि में हमारे सदन के नेता चौधरी देवी लाल जी ने जो आपके नाम का चयन किया है, उसके लिए मै चौधरी साहब को भी और आपको भी बधाई देता हूं और आशा करता हूं कि आप इस सदन की गरिमा को बनाये रखेंगे तथा जो नव निर्वाचित सदस्य है, उनको डिबेट में हिस्सा लेने के लिए पूरा मौका दिया जायेगा। धन्यवाद।

श्री हरनाम सिंह (इलाहबाद): स्पीकर साहब, सबसे पहले मै आपको इस पद पर चुने जाने के लिए बधाई देता हूं और साथ ही जिस तरीके से मुतफिक तौर पर आपका चुनाव हुआ है व सारे हाउस का विश्वास आपको मिला है, यह आपके लिये एक औा भाान की बात है लेकिन साथ ही मै आपसे एक अर्ज करना चाहता हूं और आशा करता हूं कि पार्लियामैट्री इतिहास में आपका यह जो आने वाला 5 साल का समय है, इसमें जैसा पहले स्पीकर के पद का प्रयोग पार्टी के हित में होता रहा है, वह यहां पर अब

नही होगा और इस पद की गरिमा को और ऊंचा उठाया जायेगा। इससे सारे हरियाणा की भाान भी बढ़ेगी। मै अन्त में एक बार फिर आपको बधाई देता हूं। धन्यवाद।

Mr. Speaker: Hon'ble Members, I am deeply grateful to you all for electing me to this august Chaif. I accept this unique honour in all humility and gratitude. I need hardly assure you that so long as I shall be in this Chair, I shall ensure that justice is not only done but also appears to be done.

Orderly and smooth conduct of business in the House is not possible without the active help and cooperation of all the Hon'ble Members of all sections of the House and I hope and trust that I will not be lacking in this regard.

Haryana has almost come of age. Haryana State will be 21 years old in November, 1987. Democracy has taken firm roots measure that the mighty heads have cret fallen to the wrath of the electorate and have tasted dust at the battle of hustings.

In a proper democracy, discipline is self-imposed. The Hon,ble Members must speak with restraint and responsibility. I am sure, the Hon'ble Members will avoid acrimony in their speeches and desist from making personal charges against each other. Democracy demands tolerance, understanding, mutual respect and adjustment and at time of stress patience. The legislature, which is a temple fof democracy must function through free discussion, open dabate exchange of arguments and criticism and finally acceptarce of

majority dicision. Democracy is not merely a form of Government, it is a way of life and an act of faith in the dignity and freedom of individual.

Basically, legislatues are representaive institutions of the people and must protect their interests and freedem and sere public weal for the elected representatives of the people are committed to the collective welfare of the entire people of the State.

Opposition is the very essence of a representative Government for the successful functioning of the House. The Opposition has to be given its due. My job become all the more onerous, in view of the fact that Opposition has been returned in a very minimal number to this House this time. I will try to fully safeguard the interests of the Opposition and see that it gets full opportunities to have its say for ventilaing its just and genuine grievances in a construetive manner.

I hope that the working of our legislature will bring credit to its deliberation, which will be conducted with dignity and decorum and will be an example for other legislatures to cmulate. The workng of Parliamentary institution must hilp us in acquiring the quality of humility and tolerance. In short, it should gbe an edueation in human decency.

May God bless us in our deliberations.

Thank you all.

उपाध्यक्ष का चुनाव

Mr. Speaker: Under Rule 10(1) of the Rule of Procedure and Conduct of Buusiness in the Haryana Legislative Asscmbly, I fix today, the 9th July, 1987 as the date for the election of Deputy Speaker.

Now I cell upon the Hon'ble Member to propose the name for the election of the Deputy Seaper.

मुख्यमंत्री (चौधरी वीरेन्द्र सिंह): स्पीकर महोदय, मै प्रस्ताव करता हूं–

कि श्री कुलबीर सिंह जो हरियाणा विधान सभा के सदस्य है और सदन में उपस्थित है, को उपाध्यक्ष के पद के लिये चुना जाये।

सिंचाई तथा बिजली मंत्री (चौधरी वीरेन्द्र सिंह): स्पीकर साहब, मुख्यमंत्री जी ने जो प्रस्ताव हाउस में रखा है, मै उसका समर्थन करता हूं।

Mr. Speaker: Motion Moved-

That Shri Kullbir Singh, a member of the Haryana Lagislative Assembly, who is present in the House, be elected as Deputy Speaker of the House.

Is there any other proposal please?

(Voices : No)

Mr. Speaker: Since there is only one proposal before the House that Shri Kullbir Singh be elected as Deputy

Speaker, I declare him duly elected unanimously as Deputy Speaker. (Thumping).

(At this stage, Shri Kullbir Singh, escorted by the Chief Minister and Shri Tayyab Hussain, member of the Opposition, occupied the seat of the Deputy Speaker) (Thumping)

16.00 बजे

श्री मंगल सैन (रोहतक): स्पीकर साहब, सदन के नेता ने चौधरी कुलबीर सिंह, ऐडवोकेट का नाम अपाध्यक्ष पद के लिए प्रस्तावित किया है और चौधरी वीरेन्द्र सिंह ने उसका अनुमोदन किया है। मै अपनी तरफ से उनकी इस पद पर चुने जाने के लिए हार्दिक बधाई देता हूं। सदन ने उनके नाम का सर्वसम्मति से अनुमोदन किया है इसके लिए मैं उनको एक बार फिर बधाई देना चाहता हूं। ये हमारे पुराने साथी रहे है। हमने इनको सदन में देखा है ये बहुत ही अच्छे व्यक्ति है। मैने और चौधरी देवी लाल ने तो अगस्त में त्यागपत्र दे दिया था और इन्होने भी त्यागपत्र दिया था लेकिन इस पद पर जो बैठे हुए थे उन अध्यक्ष महोदय, ने वह त्यागपत्र स्वीकार नही किया था पता नही क्या कारण था? हो सकता है कि ऊपर से हाईकमान्ड का आदे ा हुआ हो। अभी भी हरनाम सिंह जी ने कहा कि पहले पद का दूरूपयोग होता रहा है जोकि अब नही होना चाहिए। चौधरी कुलबीर सिंह बहुत अच्छा बोलने बाले है और एक अच्छे लैजिस्लेटर है। हमें पूरा भरोसा है कि जब आप किसी और काम में व्यस्त हौंगे तो ये आपके काम

को बहुत अच्छी तरह से निभाएंगे और हम सब को अपनी बात कहने का पूरा मौका देंगे। इन भाब्दों के साथ मैं एक बार फिर अपनी तरफ से और अपने दल की तरफ से चौधरी कुलबीर सिंह जी को बधाई देता हूं।

सिचाई तथा बिजली मंत्री (श्री वीरेन्द्र सिंह): स्पीकर साहब, मै आपके द्वारा चौधरी कुलबीर सिंह मलिक, जो दूसरी बार इस सदन में जुलाना हल्के से चुनकर आए है। और यूनानिमसली डिप्टी स्पीकर इलैक्ट हुए है, को हार्दिक बधाई देता हूं। स्पीकर साहब, चौधरी कुलबीर सिंह उन बहादूर विधायकौं मे से है जिन्होनै जलब हरियाणा प्रान्त कर संकट आया और हरियाणा के साथ बेइन्साफी हुई तथा हमारे आदरणीय नेता चौधरी देवी लाल ने हमे आदे ा दिया है कि इस संकट की घड़ी में हमें असैम्बली से इस्तीफा दे देना चाहिए तो इन्होने सब से पहले आदे ा मिलते ही अपना इस्तीफा पे ा कर दिया था और ऐसी प्रथा कायम की थी जिससे पता लगता था कि हम जनता के प्रति समर्पित है और हमारा काम जनता की केवल सेवा करना है। स्पीकर साहब, यह प्रदे ा इस बात के लिए बदनाम हो गया था कि वहां विधायक बिकते है लेकिन हरियाणा प्रान्त दे ा के अन्दर पहला प्रदे ा है जहां विधायकों ने ऐसी मिसाल कायम की जिसका सबूत और कहीं नही मिलता और बदनामी का सारा धब्बा धो दिया।

स्पीकर साहब, जब प्रदे ा के लोगों पर संकट आया तो यहां विधायकों ने एक मिनट भी नही सोचा। स्पीकर साहब,

आध्र प्रदे ा में भी किसी समय एक खेल खेला गया था लेकिन हमारेकि प्रदे ा के विधायको ने सारे दे ा में एक मिसाल कायम कर दी थी और त्याग पत्र देने के बारे में एक मिनट भी नही सोचा। हमारे ये मोहतरिम साथी आज इस पद पर पदासीन हुए है, मै इनको मुबारिकबाद देता हूं और मुझे पूर्ण आ ाा है कि चौधरी कुलबीर सिंह इस पद की गारिमा को पूरी तरह से बनाएं रखेंगे। स्पीकर साहब, 1982 से लेकर 1987 तक बतौर लैजिस्लेटर इनका बहुत भारी कट्रिब्यू ान रहा है। ये बहुत अच्छा बोलते थे और प्रदे ा की जनता की जो तकलीफात थी उनको बड़े अच्छे ढंग से उजागर करते थे। ये अपने भाशणों द्वारा जनता की दिक्कतों को सरकार के सामने बड़े अच्छे तरीके से सदन में रखते थे। स्पीकर साहब, ये जिस आसन पर बैठे है वास्तव में ये उसके मुस्तहिक थे। मै उम्मीद करता हूं कि अब आप चेयर पर नही बैठे होंगे तो ये सदन को बहुत अच्छी तरह चलाएंगे। मै इतना ही कहकर एक बार फिर चौधरी कुलबीर सिंह जी को मुबारिकबाद देता हूं।

श्री तैयब हुसैन (तावडू): स्पीकर साहब, मै आपके जरिए चौधरी कुलबीर सिंह जी को बधाई देना चाहता हूं और साथ ही लीडर आफ दि हाउस को भी बधाई देना चाहता हूं जिन्होने चौधरी कुलबीर सिंह को इस औहदे के लिए चुना है चौधरी कुलबीर सिंह पिछले विधान सभा के भी मैम्बर रहे है और मै इनको बहुत अच्छी तरह से जानता हूं। पिछली विधान सभा में जितनी ऐक्टिवली ये पार्लियामानी अमूर में हिस्सा लेते रहे है

उससे मुझे पूरा यकीन है कि जो ओहता और जिम्मेदारी उन्हें सौंपी गई है उसको ये बहुत अच्छे ढंग से आपकी गैर–हाजिरी में निभाएंगे। मै अपनी तरफ से और अपनी पार्टी की तरफ से एक बार फिर इनको मुबारिकबाद देता हूं।

चौधरी खुर ीद अहमद (नूंह): जनाब स्पीकर साहब, आज इस हाउस में हमारे लीडर आफ दि हाउस ने जो हमारे सामने चौधरी कुलबीर सिंह को डिप्टी स्पीकर बनाने के लिए तजवीज पे ा की है उसके पिछे उनकी एक खास बैकग्राउन्ड है। स्पीकर साहब, जब हरियाणा के साथ बेइन्साफी हुई है और वह बेइन्साफी नाकबिले बरदा ात थी तो उस समय उन्होंने विधान सभा से इस्तीफा दे दिया और अपनी इस कुर्बानी का इन्होंने और न इनके किसी साथी ने सिवाए अपने वोटरों से किसी और से कोई सिला नही मांगा। हमारे साथी ने बहुत बड़ी कुर्बानी की है और इसका जिक्र मै इनके उपाध्यक्ष बनने पर करना चाहता हूं। मै हाउस से एक अपील भी करना चाहता हूं कि हमारे साथियों ने जो कुर्बानी की है उसका सिला देने के लिए यदि आव यकता हो कोई ऐसा कानून बनाया जए जिससे उनको इस कुर्बानी का कम्पनसे ान मिले सके। मै समझता हूं कि इन लोगों ने जो कुर्बानी की और जिन हालत में उन्होंने काम किया और हरियाणा में एक नया इंकलाब पैदा किया तथा रात दिन काम करके, मेहनत करके हरियाणा के हितों की रक्षा की है उसका सिला हमारे इन साथियों को जरूर मिलना चाहिए। मेरा यह भी सुझाव है कि जिन

सदस्यों ने इस संघर्श के दौरान हरियाणा विधान सभा सचिवालय से अपने अलउसिंज ड्रा नही किए थे वे उनको ड्रा कर लेने चाहिए और मुख्यमंत्री जी को भी इस बात की इजाजत दे देनी चाहिये। स्पीकर साहब, हम महसूस करते है कि हरियाणा के हितों की रक्षा के लिए जिन लोगों ने कुर्बानी की उनको ऐनकरेज कर तथा उनकी हौसला अफजाई करे। यह तभी हो सकता है जब उनकी एक कुर्बानी की कम्पनसेट किया जाए। इन भाब्दों के साथ मै अपने साथी चौधरी कुलबीर सिंह का मुबारिकबाद देता हूं और उम्मीद करता हूं कि जिस वक्त आप कामों में मसरूफ होगे तो ये बड़ी काबलियत से विधान सभा की कार्यवाही को चलाएंगे और हम सभी साथियों को पूरा टाईम देंगे ताकि हम अपने हल्के के लोगों की तकलीफों को हाउस के सामने रख सके और अपनी नमाइंदगी के काम को पूरा कर सके। स्पीकर साहब, मै एक बार फिर लीडर आफ दी हाउस को और चौधरी कुलबीर सिंह को मुबारिकबाद देता हूं और जो बात मैंने पहले कही है कि इन साथियों की कुर्बानी को ऐप्रि ाएट करने के लिए जो मुनासिव चीज चाहे वह कम्पनसे ान के रूप मे हो या किसी और चीज के रूप में हो जरूर की जानी चाहिए। धन्यवाद।

श्री जय नारायण (कलानौर): स्पीकर साहब, मै आपके माध्यम से चौधरी कुलबीर सिंह को सर्वसम्मति से डिप्टी स्पीकर के पद पर चुने जाने के लिए बधाई देना चाहता हूं और साथ ही साथ लीडर आफ दि हाउस चौधरी देवी लाल ने जो इनका नाम

प्रोपोज किया है उनको भी मै बधाई देना चाहता हूं। स्पीकर साहब, चौधरी कुलबीर सिंह के बारे में हम सभी लोग जानते है कि संकट की उस घड़ी में इन्होने अपनी इस्तीफा देने में कोई संकोच नही किया और पूरी लगन के साथ संधर्श समिति का साथ दिया। स्पीकर साहब, चौधरी कुलबीर सिंह बड़े वक्ता है। मै इनसे यही उम्मीद करता हूं कि जब भी आप चेयर पर नहीं होंगे उस समय हाउस को बड़े अच्छे ढंग से चलाएंगे।

श्री जगपाल सिंह (नारायणगढ़): स्पीकर साहब, मै आपके माध्यम से डिप्टी स्पीकर चौधरी कुलबीर सिंह को मुबारिकबाद देता हूं और इसके साथ ही साथ लीडर आफ दि हाउस को भी मुबारिकबाद देता हूं। मैंने लीडर आफ दि हाउस के साथ जींद में जाकर दो साल तक चौधरी कुलबीर सिंह के साथ काम किया है। संघर्श समिति के काम करते समय इनको मैंने देखा कि ये बहुत ही खामो ा और साइलैट वर्कर है। ये ज्यादा भाोर मचाने वाले नही है। मैने इनको मई और जून की गर्मी मे जींद मे जो बड़े–बड़े जलसे हुए उनमे काम करते हुए देखा है। मैने इनके अन्दर काम करने की बहुत ही अधिक लग्न पाई। जब हरियाणा के ऊपर संकट आया था तो इन्होने एम0 एल0 ए0 ि ाप से इस्तीफा देकर बहुत बड़ा त्याग किया। ऐसे त्यागी पुरूश को ऐसी पोस्ट पर बिठाकर बहुत अच्छा काम किया है। मुझे उम्मीद है कि चौधरी कुलबीर सिंह बड़ी अच्छी तरह से सदन के काम को चलाएंगे।

श्री रघुयादव (रिवाड़ी): अध्यक्ष महोदय, हरियाणा की जनता की भावनाओं के अनुरूप, सदन के नेता चौधरी देवी लाल जी ने चौधरी कुलबीर सिंह को इस सदन के उपाध्यक्ष पद के लिये प्रस्तावित किया। चौधरी कुलबीर सिंह जी को निविरोध चुनने के लिए मै चौधरी देवी लाल जी और इस सदन के माननीय सदस्यों की बधाई देता हूं और आ ाा करता हूं कि जो अपेक्षा अध्यक्ष महोदय, से सदन को बधाई देता हूं और आ ाा करता हूं कि जो अपेक्षा अध्यक्ष महोदय से सदन की है उनकी गैर–मौजूगी में माननीय उपाध्यक्ष महोदय उसी अपेक्षा को पूरा करेंगे। मै वि वास दिलाता हूं कि इस सम्माननीय सदस्यगण चौधरी कुलबीर सिंह जी को अपना पूर्ण सहयोग देंगे। धन्यवाद।

श्री परमानन्द (जीद): अध्यक्ष महोदय, मै आपके द्वारा चौधरी कुलबीर सिंह जी को उपाध्यक्ष के सम्माननीय पद पर चुने जाने के लिए बधाई देता हूं और इससे बढ़ कर चौधरी देवी लाल जी को बधाई देता हूं क्योंकि उन्होंने हमारे जिले को प्रतिनिधित्व देकर हमें बहुत ही उचित सम्मान दिया है। अध्यक्ष महोदय, मुझे चौधरी कुलबीर सिंह जी पर गर्व हैं क्योंकि जब दूसरे विधायक पार्टी छोड़कर भाग गये थे ता उस वक्त ये हिमालय की भांति अपने फैसले पर अडिग रहे और उन्होने तमाम प्रत्नोभनों को ठुकरा दिया तथा संघर्श समिति के साथ रहे व चौधरी देवी लाल जी का साथ दिया। उस वक्त इन्होने पार्टी व प्रदे ा के हित मै इस्तीफा दे दिया। अब इनके इन्ही गुणों को देखते हुए चौधरी

देवी लाल जी ने इनको उपाध्यक्ष के पद पर सु ाोभित किया है। इसके लिए मै चौधरी देवी लाल जीको फिर मुबारिकबाद देता हूं। अध्यक्ष महोदय, मै एक प्रार्थना आपसे करना चाहता हूं और हमें यह आपसे आ ाा भी है कि आप जहां तमाम पाटियों को, वर्गो को बोलने के लिए समय देंगे और उनके साथ हर प्रकार से न्याय करेंगे वहां मै आपका ध्यान इस बात की और भी दिलाना चाहता हूं कि जो समाज का छोटा वर्ग है, पिछड़ा हुआ वर्ग है, उस की और भी वि ोश ध्यान देंगे और उन्हें बोलने का सही अवसर दिया जाएगा। इसी तरह की आ ाा हम चौधरी कुलबीर सिंह जी से भी रखते है कि वे भी हर छोटे वर्ग का पूरा ध्यान इस सदन में रखेंगे। अध्यक्ष महोदय, मैं इसलिये यह बात कह रहा हूं क्यौंकि आपको दी जाने वाली बधाई के मौके पर बहुत कम लोग इन वर्गो के बोल पाए है। इसलिए मैं एक बार फिर प्रार्थना करता हूं कि छोटे वर्गो के नुमायंदो को भी समय देने का पूरा पूरा ध्यान रखा जाए। अन्त में, मै फिर इस सदन के नेता का उपाध्यक्ष पद के लिए निविरोध चुनाव कराने के लिए धन्यवाद करता हूं और उन्हे बधाई देता हूं। धन्यवाद ।

श्री अध्यक्षः आनरेबल मैम्बर्ज, चौधरी कुलबीर सिंह जी को मै भी आज डिप्टी स्पीकर बनने पर बहुत बहुत मुबारिकबाद देता हूं। पिछले वशो से तो नही लेकिन कुछ महीनों से मेरा इन का बास्ता रहा है। बड़ी दिलेरी से, बहादुरी से इन्होंने सरकार का मुकाबला किया और जलसे जलूसों और पद यात्रा में, जहां भी

पार्टी को जरूरत हुई इन्होंने संघर्श समिति का पार्टी का साथ दिया। मै आज इनको डिप्टी स्पीकर पद के लिये चुने जाने पर एक बार फिर मुबारिकबाद देता हूं। जय हिन्द।

श्री कुलबीर सिंह (जुलाना): अध्यक्ष महोदय, मै सदन के नेता चौधरी देवी लाल जी और इस महान सदन को बहुत बहुत धन्यवाद देता हूं क्योंकि उन्होने मुझे इसे पद के लिए निविरोध चुना है। मेरे बारे मे जो इस सदन मे मेरे साथियों ने कहा है, वह मै समझता हूं कि बहुत ज्यादा कह दिया है। अध्यक्ष महोदय, यहां मेरे इस्तीफे की बात भी कही गयी और त्याग की बात भी कही गयी। यह सब कुछ मैने चौधरी देवी लाल जी के नेतृत्व में ही सीखा ह बरना आजकल की राजनीति ऐसी दूशित हो गयी है कि हरेक आदमी, साधारण आदमी राजनीति को पसन्द नही करता। इसको सुधारने के लिए चौधरी देवी लाल जी ने जो कदम उठाये है, वे सराहनीय है। हरियाणा की जनता ने उस पर अपना पूरा वि वास और भरोसा करके आज सदन के नेता का पद उन्हें दिया है, वह एक बहुत ही अच्छा कदम है। ज्यादा कुछ न कहता हुआ क्योंकि यह सेइंग है कि स्पीकर स्पीकस दि लीस्ट मैं यह सोचने लगा हूं कि पता नहीं मुझे पूरा बोलने का मौका मिलेगा या मुझे भी, स्पीकर साहब, आप की तरह कम बोलना पड़ेगा। अन्त में, मै फिर अपने इस निर्विरोध चुनाव के लिये लीडर आफ दि हाउस, चौधरी देवी लाल जी, और इस सदन के माननीय सदस्यों को धन्यवाद देता हूं। जय हिन्द।

वक्तव्य–

मुख्यमंत्री द्वारा 6 तथा 7 जुलाई 1987 को क्रम ा पंजाब में लालडू के पास तथा (जिला हिसार हरियाणा मे) फतेहाबाद के पास दरियापुर पुल पर हुई निर्दोश बस यात्रियों की भयानक तथा नृ ार्स हत्या सम्बधी।

Mr. Speaker: Now the Hon'ble Chief Minister will make a statement.

मुख्यमंत्री (चौधरी देवी लाल): स्पीकर साहब, डा0 मंगल सैन जी ने जिन घटनाओं का जिकर किया है वे बाकई दिल दहलाने वाली है। पंजाब और हरियाणा के हालात को सामने रखते हुए मै चूंकि इस बारे में लोगों को पूरी जानकारी देना जरूरी समझता हूं इसलिए मैं यह ब्यान दे रहा हू¯।

स्पीकर साहब, मै आपको तथा इस सदन को हाल ही में हुई इन्त्हा–पसन्दों की खौफनाक घटनाओं के बारे में बताना चाहूंगा। मौखा 6 जुलाई की रात को इन्तहा पसन्दों ने चण्ढीगढ़ से ऋशिके ा जाती हुई हरियाणा रोड़वेज की बस को पंजाब क इलाके में से अगुआ करके 38 मुसाफिरों का संगदिलाना कतल कर दिया। इससे अगले ही दिन 7 जुलाई को फिरोजपुर से दिल्ली जाती हुई बस को कौमी भाराह नम्बर 10 पर दरियापुर पुल पर, जो सिरसा और फदेबाद के दरमियान है, रोक कर 27 मुसाफिरों का संगदिलाना कतल कर दिया। यह पुल हिसार जिले में फतेहाबाद के पास है। उन्ही दह ात–पसन्दों ने सिरसा से

फतेहाबाद जाती हुई एक और बस के चार मुसाफिरो को भी उसी वक्त मार दिया। बाद में उन्होने एक राह चलती कार को रोक कर उसके ड्राईवर को कतल कर दिया। इसके अलावा 22 आदमी जख्मी हुए जिसमें से 11 को रोहतक मैडीकल कॉलेज में बराये इलाज भेजा गया हैं। दहशतपसन्दों की बारदातों की मेरी सरकार बड़ी मुजम्मत करती है। यह एक गैर इन्सानी घिनावता जुल्म है। मासूम लोगों के कतूल में, जिनमें ओरतें, बच्चे और बूढ़े भाामिल है, इनतहापसन्दों का घिनावना रूप हमारे सामने आता है। मेरी सरकार ने यह पक्का इरादा किया है कि हरियाणा मे कायदे और कानून को बनाये रखा जाए और अमन और भाईचारे को भी हर कीमत पर बनाये रखा जाए। इन बारदातों। की वजह से हरियाणा के लोगों को बहुत दुःख हुआ है और उनमें इसके लिए बहुत गमोगुस्सा है। इन आदमीयों के मारे जाने की खबर की वजह से कुछ दुकाने जलाने और कुछ इक्का दुक्का लोगों को पीटने की खबरों मौसूल हुई है। सूबाई सरकार पूरी तरह से चौकस है और दह ाहतपसन्दों को पकड़ने के लिए हर मुमकिन कोि ा ा की जा रही है। सूबाई सरकार ने हिफजती इन्तजामात को और भी मजबूत कर दिया है। ताकि इन्तहापसन्दों का डटकर मुकाबला किया जाए और सूबे में कोई भी नापसंद बारदात न होने पाए। मैं साफ तौर पर यह कहना चाहूंगा कि मेरी सरकार हरियाणा में फिरकापरस्ती को नही पनपने देगी। सूबे के सभी लोगों की, खासतौर पर अकलियतों की पूरी हिफाजत करना हमारी जिम्मेदारी होगी। फौज को कुछ मुकामात पर फुलैग मार्च करने को कहा गया

है। रेल लाईनों पर भी ग त करवायी जा रही है। हरियाणा रोड़वेज की रात की बस सर्विस को आर्जी तौर पर बन्द कर दिया गया है। पंजाब की सरहदों पर बसे गांव और दूसरे गड़बड़ी के अन्दे ाो वाली जगहों पर हिफाजती कमेटिया बनायी जा रही है। सरकार ने सख्त हिदायतें दी है कि किसी भी कीमत पर सूबे में सूबे में कायदे और कानून को बिगड़ने नही दिया जाए। हालात पूरे काबू में है। स्टेट में कुछ जगहों पर लूट–मार की बारदातें हुई है। सरकार उसक खिलाफ कड़ी कार्यवाही कर रही है। इन समाज के दु मनों पर सरकार कड़ी नजर रखे हुए है और 50 लोगों को गिरफ्तार भी किया गया है। जिन लोगों की जायदादें लूटी गयी है, उनका पता करके, बरामद करके वापिस करने की कोि ा ा की जा रही है। एक बार और दह ातप की बारदातों की मुजम्मत करते हुए, हरियाणा की जनता को मै यकीन दिलाना चाहता हूं कि मेरी सरकार दह ातपसन्दी का सख्ती से सामना करके और सूबे में अमन बनाये रखने में कोई कमी नही छोडेगी। मै जनता से अपील करता हूं कि वह अमन और कानून बनाये रखे और हमारी मदद करे। किसी भी हालत में फिरका–परस्ती की हालत नहीं पैदा होने दी जाएगी। लालडू व दरियापुर में हुई बारदातें समाज और दे ा के दु मन अनासर की करतूत है। हम ऐसी ताकतों को किसी भी हालत में कामयाब नहीं होने देंगे। मामले की नजाकत को देखते हुए मोहतरित गवर्नर साहब ने सिरसा और हिसार का दौर किया। मै भी कल सिरसा और फतेहाबाद होकर आया हूं। वहां मैने हालात का जायजा लिया है।

हमारे साथी चौधरी वीरेन्द्र सिंह आई0 पी0 एम0 व श्री सम्पत सिंह, इंडस्ट्रीज मिनिस्टर, भी सिरसा और हिसार होकर आये है। आज बजीरे साहब, कुछ लोग ऐसा प्रचार कर रहे है कि सरकार कुछ नही करेगी और पुलिस की भी मदद नहीं मिलेगी इसलिए लूटो कोई नही पूछेगा। मतलब कि सरकार इस लूट मे सहयोग दे रही है। ऐसा प्रचार किया जा रहा है। इस प्रचार को रोकने के लिए मैने हिदायतें दी है कि जो माल लूटा गया है उसे बरामद किया जाए। मैंने कहा है कि इस बारे में पूरी सख्ती बरती जाए और भारारती लोगों को गिरफतार किया जाए। मै आ ाा करता हूं कि इन हिदायतों पर हमारे कर्मचारी और खास तौर पर पुलिस के कर्मचारी अमल करेंगे। जहां तक इस वक्त के हालात का ताल्लुक है वे बिल्कुल अर्मनी अमान के है।

श्री मंगल सैनः अध्यक्ष महोदय

श्री अध्यक्षः डा0 साहब, हमारे रूल्ज आफ प्रोसीजर एंड कंडक्ट औफ बिजनैस के रूल 64 के मुताबिक इस समय कोई कवै चन नही किया जा सकता। आप कृपया बैठिए। The Chief Minister has already clarified the position in detail in the statement.

Hon'ble Member the Governor is to address the House to moirrow at 9.30 A.M.

The House therefore, stands adjourned till immediately half an hour after the conclusion of the Governor's Address tomorriow.

16.25 hours

(The Sabha then adjourned till immediately half an hour after the conclusion of the Governor Address on Firday, the 10th July, 1987.)